

समाहरणालय, पटना।
(शस्त्र शाखा)

फोन नं० 0612-2219545 (फोन)
फैक्स नं०-0612-2218900
Email : dampatnaarmssection@gmail.com
dm-patna.bih@nic.in

१६

26-08-2013

—: आदेश :—

आवेदक श्री ओम प्रकाश चौटाला, पिता—श्री अशोक सिंह, सा०—उदैनौ, पो०—
मित्तलचक, थाना—गोपालपुर (सम्पतचक), जिला—पटना से प्राप्त एक एन०पी०बोर पिस्टल/
रिवाल्वर शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन—पत्र पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या—09—415/2011 कायम
करते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त कर सुनवाई की तिथि—
26.08.2013 निर्धारित की गई।

पूर्व निर्धारित तिथि दिनांक—26.08.2013 को सुनवाई की गयी। सुनवाई के क्र
में आवेदक के द्वारा उपस्थित होकर बताया गया कि वे कृषि एवं व्यापार से जुड़े हैं। तदोपरा
उनके द्वारा अपने जान—माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अनुरोध कि
गया, परन्तु पूछने पर सुरक्षा भय के संबंध में कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्रांक—181/गो०, दिनांक—27.02.2012 द्व
आवेदक के शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र को जाँचोपरान्त बिना अनुशंसा के मूल में आवश
कार्य हेतु भेजा गया है। अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, सदर, पटना द्वारा थानाध्यक्ष, गोपा
के जाँच प्रतिवेदन में आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने हेतु कोई यथेष्ट कारण
उल्लेख नहीं किया गया है, तदनुसार आवेदक को शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनु
नहीं की गयी है। थानाध्यक्ष, गोपालपुर द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदक कृषि
व्यापार से जुड़े हैं। उनके जान—माल की सुरक्षा हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने का अ
किया गया है। थानाध्यक्ष द्वारा जाँच प्रतिवेदन की कंडिका—10 के सभी बिन्दुओं पर
प्रतिवेदित करने के बावजूद आवेदक को अनुज्ञप्ति निर्गत करने की अनुशंसा की गई
लेकिन इसके लिए कोई कारण नहीं बताया गया है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13 (2) एवं 13 (2A) में अंकित है कि “उ
की प्राप्ति पर, अनुज्ञापन प्राधिकारी उस आवेदन पर निकटतम पुलिस थाने के भार
ऑफिसर की रिपोर्ट मंगवाएगा और ऐसा ऑफिसर अपनी रिपोर्ट विहित समय के भीतर
अनुज्ञापन प्राधिकारी ऐसी जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक
और उप—धारा (2) के अधीन प्राप्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अध्याय व
उपबन्धों के अधीन रहते हुए, लिखित आदेश द्वारा अनुज्ञप्ति या तो अनुदत्त करेगा या
करने से इन्कार करेगा :

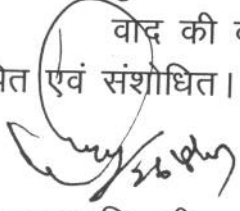
परन्तु जहाँ निकटतम पुलिस थाने का भारसाधक ऑफिसर आवेदन पर
समय के भीतर अपनी रिपोर्ट नहीं भेजता है, वहाँ यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी ठीक समझे
विहित समय के अवसान के पश्चात्, उस रिपोर्ट की और प्रतीक्षा किए बिना ऐसा आ
सकेगा।”


वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक के आवेदन प
द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों एवं अभिलेख में संलग्न कागजातों के सूक्ष्म
अवलोकन के पश्चात् अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक को सुरक्षा

पर कोई विशेष सुरक्षा भय/खतरा नहीं है तथा उन्हें एक एन0पी0बोर पिस्टल/रिवाल्वर हे शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 13, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों ए वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदन श्री ओम प्रकाश चौटाला, पिता-श्री अशोक सिंह, सा0-उदैनी, पो0-मित्तलचक, थाना-गोपालपु (सम्पतचक), जिला-पटना के आवेदित एक एन0पी0बोर पिस्टल/रिवाल्वर अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र को अस्वीकृत किया जाता है।

वोद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।
लेखापित एवं संशोधित।


जिला दण्डाधिकारी,
पटना।


जिला दण्डाधिकारी
पटना।